

— अस्य कारयेत् M. 2, 30. तस्मात्प्रतिक्रिया युक्ता भीष्मे कारयितुं तव MBh. in BENF. Chr. 16, 12. अहं सुखोपायेन तत्र तव प्रवेशं कारयिष्यामि PAÑĀT. 211, 11. 261, 9. तस्य निहरणादीनि संयरेतस्य — कारयित्वा Bhāg. P. 1, 9, 46. प्राप्ते तु पञ्चमे वर्षे विद्यारम्भं च कारयेत् Citat bei MALLIN. zu RAGH. 3, 28. अकारयिष्यातां कौटो देवदत्तेन P. 3, 1, 48, Sch. Jmd (acc.) oder durch Jmd (instr.) Etwas machen u. s. w. lassen P. 1, 4, 53. Vop. 3, 5. नलं सेतुमकारयत् R. 1, 1, 78. शस्त्राण्येतानि — कारयेत् — कर्मार्म् सुच. 1, 28, 15. वाणिज्यं कारयेद्वैश्यम् M. 8, 110. ब्रूहं तु कारयेदास्यम् 413, 412. एकैकं कारयेत्कर्म 7, 138. 8, 411. 418. Jāś. 1, 88. एतत्कार्यमवश्यं त्वां कारयिष्ये बलादपि R. 3, 44, 21. कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिर्गुणैः Bhāg. 3, 5. MBh. 3, 323. Bhāg. P. 5, 9, 9. अमुना ननु — जगदाज्ञाम् — तव कारितं धनुषः (vgl. das simpl. u. 5.) KUMĀRAS. 4, 29. यस्तु तत्कारयेत् — अन्यया M. 9, 87. अन्येनैव च कारयेत् (कर्म) 8, 207. येन (शरीरेण) कारयते कर्म शुभाशुभफलं विभुः MBh. 3, 1147. न शय्यामि किञ्चित्कारयितुं तया 2, 6. caus. reflex. कारयते, अचिकीर्षति, अकारिष्ट, अकारयिष्ट P. 3, 1, 89, Vārtt., Sch. Vop. 24, 12. — 2) bearbeiten —, zubereiten —, bestellen lassen: प्रभूतमन्नं कारय LĪTJ. 3, 1. MBh. 3, 15550. कालाकृतमपि त्रेत्रं यो न कुर्यान्न कारयेत् । स प्रदाप्यः कृष्टफलं त्रेत्रमन्येन कारयेत् Jāś. 2, 158. नखान्कारयते er lässt sich die Nägel putzen (vgl. das simpl. u. 8) KĪTJ. PADDH. 2, 1. — 3) Etwas (acc.) aus Etwas (instr.) machen lassen: तैर्देहिपि च कारयेत् सुच. 2, 384, 19. — 4) Jmd oder Etwas zu Etwas machen lassen: त्वां कारयामि कमलोदरवन्धनस्थम् ÇĀK. 147. — 5) Etwas irgend wohin (loc.) stellen —, legen lassen, irgendwo anbringen lassen: तानि संधिषु सीमायामप्रकाशानि कारयेत् M. 8, 251. तं च वासगृहे चित्रयत् भित्तावकारयत् er liess das Bild an die Wand hängen KATHĀS. 3, 30. Vgl. das simpl. u. 13. — 6) behandeln, mit Jmd verfahren: अनु राजानमार्यां च कैकेयोमन्त्र कारय behandle die Kaik. wie der König R. 2, 38, 16. — 7) nicht selten in derselben Bed. wie das simpl.: तत्र वासं न कारयेत् KĀ. 36. तस्माच्छ्रेयं न कारयेत् deshalb lasse er keinen Rest (von Feuer u. s. w.) 40; vgl. न नः श्रेयं करिष्यति MBh. 4, 1548. — उर्वनेन समं सद्यं प्रीतिं च न कारयेत् Hit. I, 74. राज्यमकारयत् (simpl. R. 1, 1, 38. 42, 27) R. 1, 43, 9. 5, 81, 18. Viçv. 1, 3. MBh. 3, 11219. योगमास्थितः । विमानं कामगम् — तर्ह्येवाविचीकृत् Buāg. P. 3, 23, 12. विमुखाञ्छात्रवान्कारयिष्यति मे सुतः MBh. 1, 2755. सर्वकाले च कारयेन्मित्रमुत्तमम् PAÑĀT. II, 118. Vgl. कारित. पदं सुष्ठु कारयति er spricht ein Wort gut aus (vgl. das simpl. u. 9) P. 1, 3, 71, Sch. Vop. 23, 54. Mit मिथ्या und med. wiederholt falsch aussprechen ebend. Als caus. und in weiterer Bedeutung (Etwas fälschlicher Weise thun lassen) gebraucht und vom Schol. durch P. 1, 3, 71 erklärt BHATT. 8, 44: मिथ्या कारयते चौर्योषणां रत्नसाधयः.

desid. चिकीर्षति machen —, thun wollen, unternehmen, beginnen, beabsichtigen, streben nach AV. 12, 4, 49. ÇĀT. Br. 1, 9, 23. 2, 10, 2, 2, 16. 3, 2, 8. 3, 6, 2, 14. 4, 4, 5, 19. KĪTJ. ÇR. 25, 8, 7. अचिकीर्षति ÇĀT. Br. 3, 4, 2, 6. प्रायश्चित्तं चिकीर्षति ये M. 11, 192. एतसो स्थूलसूत्रमाणां चिकीर्षन्नपनोदनम् 253. राज्यम् MBh. 3, 14, 15. स्मार्णां तु चिकीर्षामो न तु पाण्डवदर्शनम् 14839. 13, 1418. PAÑĀT. III, 134. चिकीर्षन्कृतमात्मनः M. 8, 390. बन्धनवधक्लेशान्प्राप्तिनाम् 3, 46. MBh. 1, 5667. N. 8, 3. MBh. in BENF. Chr. 13, 1. R. 6, 10, 2. Vid. 163. नानृतं तच्छिकीर्षामि MBh. 1, 3958. राजस्तोस्तोश्चिकीर्षताम् RĀGĀ-TAR. 3, 461. परमं स्थानं वार्यमाणो ऽसकृन्मया । चिकी-

र्षस्येव तपसा MBh. 13, 1900. तादृशं त्वममर्यादं कर्म कर्तुं चिकीर्षामि R. 2, 35, 11. eine heilige Handlung unternehmen, den Göttern dienen wollen: यद्-सावमुते देवा अदेवः संश्चिकीर्षति AV. 5, 8, 3. Auch med.: देवराज्यं चिकीर्षति Viçv. 13, 16. सत्यं चिकीर्षमाणः N. 3, 14. तत्र प्रतिज्ञाम् — सत्यां चिकीर्षमाणः MBh. 3, 12322. desid. reflex. चिकीर्षते, अचिकीर्षिष्ट P. 3, 1, 87, Vārtt. 10, Sch. Vop. 24, 12. चिकीर्षति was man zu thun gedenkt, beabsichtigt; n. Vorhaben, Unternehmen M. 4, 254. 7, 67. 202. MBh. in BENF. Chr. 26, 64. N. 17, 43. R. 1, 7, 10. 74, 21. 4, 34, 7. MRĀĪH. 127, 3. PAÑĀT. 22, 14.

intens. 3 pl. करिक्कति wiederholt machen oder so v. a. das simpl.: अश्मानस्तस्यां डुग्धार्यां बहुलाः फट्करिक्कति AV. 4, 18, 3. partic. करिक्कत् Naigh. 2, 1. P. 7, 4, 65. अविः RV. 1, 131, 3. कृष्णमन्त्रं मङ्गि वर्पः करिक्कतः 140, 5. दर्विम् AV. 10, 4, 13. ब्रूयाणि TS. 6, 4, 10, 2. In der nachved. Sprache: चर्कति, चरिक्कति, चरीक्कति, चर्करीति, चरिक्करीति, चरीक्करीति; चेक्कीयते P. 7, 4, 92, Sch. Vop. 20, 21. 4. चरिक्कत् s. u. आ.

— अति mehr thun (als erfordert wird) TS. 6, 6, 2, 1. अतिकृत zu weit getrieben, übertrieben R. 5, 23, 21 (s. u. अतिकृत). अतिकृतप्रमाण von ausserordentlichem Umfange (कटि Hüfte) MBh. 3, 10054. अतिकृतार्थ der Ungewöhnliches leistet 8291.

— अथि 1) Jmd an die Spitze von Etwas stellen, Jmd mit Etwas (loc.) betrauen, Jmd in ein Amt setzen: नैत्राध्यकारिष्महि वेदवृत्ते BHATT. 2, 34. पाण्डवेन ह्यहं तात अश्वेधधिकृतः पुरा MBh. 4, 63. 13, 59. R. 2, 80, 15. नृपेणाधिकृताः Jāś. 2, 30. राष्ट्राधिकृत über ein Regierungsamt gesetzt 1, 337. Buāg. P. 3, 3, 8. subst. Beamter MRĀĪH. 144, 22 u. s. w. PAÑĀT. I, 472. Vgl. अधिकृत. — 2) Etwas an die Spitze stellen, in den Vordergrund stellen, als Hauptsache ansehen, als das Endziel einer Handlung betrachten: यदत्र मामर्थि करिष्यति oder यदत्र मामधिकरिष्यति P. 1, 4, 98. मत्प्रतिज्ञामृतमधिकर्तुम् Buāg. P. 1, 9, 37. शर एवाधिकृतः सुच. 1, 96, 13. अधिकृत्य gerund. mit Bezug auf, in Betreff von; mit dem acc. P. 4, 3, 87. सुभद्रामधिकृत्य कृतो ग्रन्थः Sch. Vop. 6, 58. एतत्प्रकरणं राज्ञाधिकृत्य — पतिव्रतानां नियतं धर्मं चावहितः प्रणु MBh. 3, 13630. शकुन्तलामधिकृत्य ब्रवीमि ÇĀK. 23, 5. ग्रीष्मसमयमधिकृत्य गीयताम् 4, 5. दातायण्या पतिव्रताधर्ममधिकृत्य पृष्ठः 101, 7. तामधिकृत्य प्रहर्ति ad 34. ÇĀK. Cu. 103, 1. RAGH. 11, 62. MĀLAV. 49, 11. MUDRĀR. 104, 10. PRAB. 113, 17. — 3) voraussetzen, sich zurückbeziehen auf: अच्यक्ता ऽहः संघातो दशरात्रमधिकुर्वति ÇĀK. Cu. 16, 20, 3. — 4) zu Etwas (acc.) berechtigt sein: अपि चैताः स्त्रियो बालाः स्वाध्यायमधिकुर्वन्ति MBh. 3, 1345. अधिकारमधिकरु eine Berechtigung zu Etwas erhalten: तद्विज्ञासायां सम्यक्श्रद्धयाधिकृताधिकारः (BURNOUR: qu'une foi entière avait préparé au désir de connaître la vérité) Buāg. P. 5, 10, 16. — 5) med. Jmd (acc.) die Spitze bieten, Herr werden über P. 1, 3, 33. शत्रुमधिकुरुते Sch. Vop. 23, 26. अधिचक्रे न पं ह्रिः BHATT. 8, 20. — 6) an der Spitze von Etwas (loc.) sein, die Oberaufsicht über Etwas haben: महानसे तथाधिकुर्याः MBh. 4, 241. — Vgl. अधिकरण, अधिकार, अधिकृत.

— अनु act. (ep. auch med.) P. 1, 3, 79. Vop. 22, 1. 1) später —, hinterher thun: तदनु कृतवती सा यत्र वाचो निवृत्ताः AMAR. 50. — 2) nachthun, nachahmen Buāg. P. 4, 23, 62. mit dem acc. der Sache: यो कृतो (सभा) नानुकुर्वति मानवाः MBh. 2, 11. पत्कुमाराः कुमार्यश्च वैरं कुर्युरचेत-